७८६
९२

كَشَجَرَةٍ طَيِّبَةٍ أَصْلُهَا ثَابِتٌ وَفَرْعُهَا فِي السَّمَاءِ

दादरस फरयादरस रोशन ज़मीर शाह मौलाना शराफत दस्तगीर

शजरा शरीफ़

शजराऐ आलिया क़ादिरया मुजद्दिदया शराफतया

बिस्मिल्ला हिर्रहमानिर्रहीम

है ज़ाते पाक या रब लायके हम्दो सना तेरी
बयां शाने करीमी हो सके बंदे से किया तेरी

कुछ ऐसे रहनुमा भेजे कुछ इस दरजा इनायत की
कि जिन के दमसे रोशन श्म्मा है बज़मे तरीकत की

वो मेरे पेशवा हैं इस लिये ये फर्ज़ है मेरा
सलाम उनपर मैं भेजूं ताके नाज़िल हो करम तेरा

सलाम ऐ हज़रते"सक़लैन"तुम नूरे"शुजाअत"हो
"बशीरी"चांद हो और मशअले बज़मे"शराफ़त"हो

तुम्हरा सिलसिला वल्लाह इस दरजा मुक़द्दस है
के जिसको देखिये हर एक की हस्ती ख़ुदारस है

तुम्हारी ज़ाते अक़दस कियुं न हो फिर बरतरो बाला
तुम्हारे सरपे जब ज़िल्ले"शराफ़त"है शहेवाला
सलाम"आक़ा शराफ़त"शाह तुम शाहे करामत हो
ख़ुदा शाहिद मिरा ग़व्वासे हर बहरे तरीक़त हो
सलाम ऐ हज़रते"शाहे बशीर"आक़ा मिरे मौला
मिरे क़िब्ला मिरे काबा मिरे हादी मिरे दाता
सलाम ऐ हज़रते"शाजी मुहम्मद शेर"यज़दानी
तुम्हें सौंपी ख़ुदाने अपने बन्दों की निगेहबानी
सलाम ऐ वैसो दुरवेशों के रहबर आशिक़े बारी
सलाम"अहमद अली"शाह आपके शायां है सरदारी
सलाम ऐ"शाह दरगाही"व ऐ"हाफिज़ जमालुल्लाह"
सलाम ऐ"पीर क़ुतबुद्दीन"ऐ क़ुत्बे कमालुल्लाह
सलाम ऐ ख़्वाजाओ"आक़ा ज़ुबैर"अल्लाह वाले हो
सलाम ऐ"शह मुहम्मद नक़शबंदी"तुम निराले हो
सलाम ऐ"ख़्वाजाए मासूम"दुनिया छोड़ने वाले
मैं तेरा नाम लेवा हूं तु अब मुझ को भी अपना ले

सलाम ऐ"शेख़ अहमद शाह"ऐ सरहिंद के वाली
मुजद्दिद अलिफसानी मरतबे में अरफओ आली

शहिनशाहे"सिकंदर"लो सलामे आजिज़ो ख़स्ता
सलाम ऐ"पीरे केहतल"आपसे मैं भी हूं वाबस्ता

सलाम ऐ"शह फुज़ैल"आक़ा सलाम"आक़ा गदा"दिलबर
सलाम ऐ"शाह शमसुद्दीन"तुम वलयों के हो रहबर

सलाम अब तुम पे ऐ"बूफज़्ले रहमा"शमए दाराई
सलाम ऐ रहबरे मा"शाह शमसुद्दीन"सहराई

सलाम"आक़ा उक़ैल"और"शह बहाउद्दीन"रहबर पर
सलाम ऐ हज़रते"अब्दुल वहाबे"सय्यदो सरवर

सलाम ऐ"शाह शरफुद्दीन"ऐ उस्तादे रूहानी
सलाम ऐ"हज़रत रज़्जाक"कुत्बे औलिया सानी

सलाम ऐ"ग़ौसुल आज़म"पीर दुनिया भर के पीरों के
तुम्ही मलजाओ मावा हो अमीरों के फक़ीरों के

सलाम ऐ"शेख़ बूसुवालेह"कुछ ऐसा चांद चमकाया
कि ज़ुलमत दूर करदी और हरसू नूर फैलाया

सलाम ऐ"शाह अब्दुल्लाह"जीली मालिके इरफ़ां
सलाम ऐ"हज़रते यहया"तुम्हीं हो हादिये दौरां

सलाम"आक़ा मुहम्मद"शाह महरम सिर्रे बातिन के
सलाम आक़ाए मा"दाऊदजी"जल्वों के आईने

सलाम ऐ"शाह मूसा"और"अब्दुल्लाह मियां"तुम पर
कि जारी आपने फैज़े ख़ास के दरया किये घर घर

सलाम ऐ"मुसए अव्वल", सलाम ऐ महज़"अबदुल्लाह"
तरीक़त की हिदायत आप से जारी हुई वल्लाह

सलाम"आक़ा हसन"बेटे हो तुम सरदारे जन्नत के
किये हैं लाखों दरया आपने जारी हिदायत के

सलाम ऐ सब्ज़पोशे मुस्तफ़ा लख़ते दिले ज़हरा
न क़ातिल को बताया गो कलेजा ज़हर ने काटा

सलाम ऐ किब्लए दीं ऐ"हुसैने"सिब्ते पैग़म्बर
कटा कर करबला में सर शहीदों के हुए सरवर

सलाम उस पर जो है,मुशकिल कुशाए दो जहां मौला
कि जिस से सिलसिला जारी हुवा है ख़ानवादो का

नबी के इल्म का वारिस ख़ुदा के दीन का रहबर
सलाम उस पर "अली" है नाम जिस का ख़ेशे पैग़म्बर
सलाम उस पर दो आलम जिसके सदके में हुए पैदा
इमामुल अम्बिया अब्दे ख़ुदा "अहमद रसूलल्लाह"
सलाम उस पर इलाही ता अबद और उस के प्यारों पर
सलाम उस नूर के अस्हाबे दीं रोशन सितारों पर
इलाहुल आलमीं बहरे जनाबे रहमते आलम
रहें इस्लाम पर इमान पर हम दायमा क़ायम
मुहब्बत कर अता बिन्ते शफीए रोज़े महशर की
"अली" शेरे ख़ुदा की हज़रते शब्बीरो शब्बर की
"अबूबकरो", "उमर", "उसमानो", "हैदर" की इनायत से
रहें महफूज़ हम सब लोग शैतां की शरारत से
करम से नेमते हुस्ने सिफाए दिल इनायत कर
तिरा जल्वा हो जिस मंज़िल में वो मंज़िल इनायत कर
सुए दारुल बक़ा हो या इलाही जब मिरा जाना
बहक्के सरवरे दीं ख़ातिमा बिल ख़ैर फ़रमाना

ब हक़्क़े लाइलाहा इल्लल्लाहु मुहम्मदुर रसूलल्लाह सल्लल्लाहु अलैह वसल्लम